

17 फरवरी, 2024
माघ, शुक्ल पक्ष, नवमी
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

शनिवार, वर्ष 09, अंक 118

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

WILD WAADI PARK
An Entertainment Hub
एशिया का
तीसरा सबसे बड़ा प्लेगार्ड पार्क
अब रांची में



HAJAM ROAD, RANCHI (JH.)
Contact Now : 9304816880

चंपाई सोरेन मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार : हेमंत सरकार के छह मंत्रियों को फिर से मिली जगह बसंत सोरेन और दीपक बिरुआ नया चेहरा

- गवर्नर ने 8 विधायकों को दिलायी शपथ
- मुख्यमंत्री समेत तीन पहले ले चुके हैं शपथ
- इस बार भी 12वें मंत्री का स्थान रहेगा खाली
- वैद्यनाथ राम का नाम अंतिम समय में कटा
- पूर्व मंत्री जोबा मांझी को नहीं मिली जगह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चंपाई सरकार गठन के 16 दिन बाद गुरुवार को विस्तार हुआ। राज्यपाल ने शुक्रवार को आठ विधायकों को शपथ दिलायी। चंपाई सरकार में झामुमो कोटे से दो नये चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन और दीपक बिरुआ को जगह दी गयी है, जबकि छह पुराने चेहरों को जगह मिली है। वहीं, पूर्व मंत्री जोबा मांझी को चंपाई सरकार में जगह नहीं मिली। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के अलावा आरमगीर आलम और सत्यानंद भोक्ता दो मंत्री पहले ही शपथ ले चुके हैं। हेमंत सरकार की तरह मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी पिछले 11 सदस्यीय कैबिनेट तैयार की है। 12वें मंत्री



का पद खाली ही रखा गया है। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को राजभवन में आठ विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलायी। इनमें झामुमो के पांच और कांग्रेस के तीन विधायक शामिल हैं। चंपाई सोरेन ने 2 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ कांग्रेस कोटे के आलमगीर आलम और राजद कोटे से सत्यानंद भोक्ता ने मंत्री पद की शपथ ली थी। शुक्रवार को आठ विधायकों मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसन, बेबी देवी, बसंत सोरेन, दीपक बिरुआ, रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता और बादल ने शपथ ली।

12वें मंत्री का पद खाली ही रहा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में नियम के तहत कैबिनेट में अधिकतम 12 सदस्य हो सकते हैं। इनमें मुख्यमंत्री के अलावा 11 मंत्री होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने चार साल के कार्यकाल में एक मंत्री का पद खाली रखा था। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी अपनी कैबिनेट में 10 मंत्रियों को रखा है। इनमें कांग्रेस से चार, झामुमो से पांच और राजद के एक मंत्री हैं।

जोबा हटी, वैद्यनाथ को नहीं मिली जगह

रांची (आजाद सिपाही)। चंपाई सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में पूर्व मंत्री जोबा मांझी को जगह नहीं मिली, तो वैद्यनाथ राम का नाम अंतिम समय में कट गया। झामुमो विधायक वैद्यनाथ राम का मंत्री बनना तय था। उनका नाम राजभवन को भेज दिया गया था। शपथ ग्रहण समारोह से ठीक कुछ देर पहले पार्टी की ओर से उन्हें रोक लिया गया। वहीं, हेमंत सरकार में चार साल तक मंत्री रही झामुमो विधायक जोबा मांझी की जगह दीपक बिरुआ को जगह दी गयी।

शपथ ग्रहण से पहले कल्पना से मिले विधायक

रांची (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन पार्टी को एकजुट रखने में लगी हैं। यह शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह से पहले भी देखने को मिला। झामुमो से चंपाई सरकार में मंत्री बनने वाले विधायक शपथ ग्रहण समारोह से पहले कल्पना सोरेन से मिलने के लिए आवास पहुंचे। इसके अलावा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी उनसे मिले। कल्पना सोरेन से हफीजुल हसन, बेबी देवी, दीपक बिरुआ और मिथिलेश ठाकुर ने मुलाकात की। कल्पना सोरेन ने मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस के नाराज विधायकों को राजेश ठाकुर और प्रदेश प्रभारी ने मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। चंपाई सरकार में मंत्री बनने की आस में कांग्रेस के कई विधायक थे। मंत्रिमंडल विस्तार में नये विधायकों को मौका नहीं देकर पुराने को फिर से मंत्री बनाये जाने से कांग्रेस विधायकों की नाराजगी शुक्रवार को सार्वजनिक हो गयी। शपथ ग्रहण समारोह से पहले शुक्रवार को नाराज विधायकों की सर्किट हाउस के कमरा नंबर 107 में बैठक हुई। उनका कहना था कि मंत्रिमंडल विस्तार में कांग्रेस के पुराने चेहरे बदले जायें और नये चेहरों को तस्वीर दें। कांग्रेसी विधायक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होने का भी मन बना चुके थे। इसी बीच प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिरकी समेत पार्टी के तमाम नेता वहां पहुंचे। उन्होंने नाराज विधायकों से बातचीत की। विधायक अपनी बातों पर टिके रहे और शपथ ग्रहण में शामिल होने से इंकार कर दिया। काफी मान-मनवल के बाद बात बनी। हालांकि नाराज विधायकों में से कुछ ही शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। चर्चा है कि नाराज विधायक जल्द ही दिल्ली जायेंगे और नेतृत्व से मुलाकात करेंगे।

चंपाई की कैबिनेट

मुख्यमंत्री-चंपाई सोरेन
झामुमो कोटे के मंत्री-
मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल
हसन, बेबी देवी, बसंत
सोरेन और दीपक बिरुआ।
कांग्रेस कोटे के मंत्री-
आलमगीर आलम,
रामेश्वर उरांव, बन्ना
गुप्ता, बादल।
राजद कोटे से मंत्री-
सत्यानंद भोक्ता

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of Haji Abdur Razaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219, Jharkhand



Admission OPEN
2024-25

PLACEMENT Assistance
Scholarship
Facility
Available

PHARMACY
D-PHARM

PARAMEDICAL
DRESSERS (DML) ICG
X-RAY / OPTHALMIC
ASST. OF ASSISTANT

Separate Hostel For Boys & Girls

M: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinirba.com

न्यूज रीलस

84 हजार 560 करोड़ के रक्षा सौदे को मंजूरी
नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को 84 हजार 560 करोड़ रुपये के डिफेंस डील को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इस पर मुहर लगायी। इसके तहत एटी-टैंक माइंस, एयर डिफेंस टेक्निकल कंट्रोल रडार, फ़ाइटर रिफ़्यूलर एयरक्राफ्ट, हैविटेट टॉरपीडो और समुद्र की निगरानी करने वाले एयरक्राफ्ट खरीदे जायेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने आर्मी, नौवीं, एयरफ़ोर्स और कोस्ट गार्ड की क्षमता को बढ़ाने और इसे तकनीकी रूप से मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है।

केजरीवाल ने विश्वास प्रस्ताव पेश किया

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीसरी बार विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने भाजपा पर उनके सात विधायकों को खरीदने की कोशिश के आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि इन विधायकों को 25-25 करोड़ रुपये ऑफ़र किये गये। विश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए केजरीवाल ने केंद्र सरकार और भाजपा पर आप नेताओं को झूठे केस में फंसाने का भी आरोप लगाया।

सीएम ने मंत्रियों के विभाग बांटे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शपथ ग्रहण के बाद मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। किसे कौन सा विभाग मिला वह निम्नवत है।

- चंपाई सोरेन - मुख्यमंत्री: कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, गृह (कारा सहित), मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी तथा वैसे सारे विभाग जो अन्य मंत्रियों को आवंटित नहीं है।
- आलमगीर आलम : ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती

राज विभाग।

- सत्यानंद भोक्ता: श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, उद्योग विभाग
- डॉ रामेश्वर उरांव: वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य कर, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग
- बेबी देवी: महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग।
- हफीजुल हसन: अल्पसंख्यक कल्याण, निर्बंधन, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग
- बसंत सोरेन: पथ निर्माण,

भवन निर्माण, जल संसाधन विभाग।

- मिथिलेश ठाकुर : पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग।
- बादल: कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
- बन्ना गुप्ता: स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, आपदा प्रबंधन विभाग
- दीपक बिरुआ: अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग (अल्पसंख्यक कल्याण को छोड़कर), परिवहन विभाग।

कांग्रेस अपना एक स्टार्टअप नहीं संभाल पा रही: नरेंद्र मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेता अपना एक स्टार्टअप नहीं संभाल पा रहे हैं। ये लोग देश संभालने का सपना देख रहे हैं। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड इतिहास के सबसे बड़े घोटालों का, आतंकवाद को बढ़ाने और सैनिक को कमजोर करने का है। उन्होंने कहा कि देश की इच्छा थी कि अयोध्या में प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो, आज पूरा देश भव्य राम मंदिर में विराजे रामलला का दर्शन कर रहा है। अब तो कांग्रेस के जो लोग हमारे भगवान राम को काल्पनिक बताते थे, जो कभी नहीं चाहते थे कि अयोध्या में राम का मंदिर बने वह भी अब जय सियाराम बोलने लगे हैं। प्रधानमंत्री हरियाणा के रेवाड़ी से 9750 करोड़ रुपये की पांच पांच परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने देश के 22वें एम्स का भी शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अब तक जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने पर रोड़े अटकाये थे। मैंने आपको गारंटी दी थी कि जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटा कर रहूंगा। अब लोग कह रहे हैं कि अबकी बार एनडीए सरकार 400 पार। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक कारीगरों,



इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेस-वे, रेलवे समेत कई योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने महिलाओं, किसानों, युवाओं को होनेवाले लाभ के बारे में बताया। हरियाणा के विकास की राह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस का कुशासन है और दूसरी तरफ भाजपा का सुशासन। वहां दस सालों से डबल इंजन की सरकार है, इसलिए जो भी योजनाएं मोदी ने बनायी हैं, उनका सौ प्रतिशत लाभ लोगों को मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 सालों में देशभर में 10 करोड़ बहनों को हमने स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा है। इसमें हरियाणा की भी लाखों बहने हैं। इसमें लाखों करोड़ रुपये की मदद दी गयी है। मेरी कोशिश यही है कि

ज्यादा से ज्यादा दीदी को लक्ष्मि दीदी बना सकूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सोचती है कि सत्ता में रहना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है, इसलिए जब से ये गरीब का नेता प्रधानमंत्री बना है, तब से मेरे खिलाफ साजिश हो रही है, लेकिन आपके आशीर्वाद के कारण मैं सुरक्षित हूं। जितना ज्यादा कांग्रेस साजिश करती है, उतना ही जनता मुझे मजबूत करती है। अपना आशीर्वाद देती है। इस बार भी कांग्रेस ने मेरे खिलाफ सारे मोर्चे खोल दिये हैं, लेकिन मेरे साथ जनता का कवच मेरे लिए माताएं-बहनें ढाल बन कर खड़ी हैं, तो संकट से पार निकल आते हैं। आप सबके आशीर्वाद से जो मैं अनुभव कर रहा हूं।

वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य देखभाल

राज्य के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में महीने को हर तीसरे शनिवार को विशेष बुजुर्ग स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया जाता है। सभी वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में इस स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाएँ।

वरिष्ठ नागरिकों की निम्न स्वास्थ्य समस्याएँ

1. मोतियाबिन्द
2. सुनने में परेशानी
3. उच्च रक्तचाप
4. अवसाद (डिप्रेशन)
5. पागलपन और अन्य तंत्रिका संबंधी समस्याएँ
6. मधुमेह
7. कोरोनरी हृदय रोग
8. अबुर्द (ट्यूमर)
9. सदमा (स्ट्रोक)
10. साँस की बीमारी
11. आसन में अस्थिरता/हड्डी टूटना या गतिशीलता कम होना
12. मूत्र संबंधी रोग
13. आंत्र शिथिलता

वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान कैसे रखें

1. स्वस्थ आहार सुनिश्चित करें।
2. शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करें।
3. घरेलू सुरक्षा के उपाय करें।
4. आराम और पर्याप्त नींद के साथ उचित दैनिक दिनचर्या अपनाएँ।
5. डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवाओं के उचित सेवन को प्रोत्साहित करें।
6. अकेलेपन से दूर रखें।
7. खुश एवं तनाव मुक्त रखें।

आकस्मिक स्थिति में किसी भी मरीज को एम्बुलेंस द्वारा स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाने हेतु नि:शुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर 108 (रात 11:00 बजे तक) पर कॉल करें

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन-आरोग्य योजना की जानकारी हेतु नि:शुल्क डायल करें (रात 11:00 बजे तक) नंबर- 18003456540

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी/सिखावत हेतु 24 x 7 नि:शुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर 104 (रात 11:00 बजे तक) पर कॉल करें

www.jrhms.jharkhand.gov | nhmjharkhand | HLTH_JHARKHAND | Health Jharkhand | nhmjharkhand3@gmail.com



चुनावी मैदान में बेटी की इंटी का रास्ता साफ किया सोनिया ने

राजस्थान से राज्यसभा में जाने के फैसले के पीछे हैं कई राजनीतिक मायने

उच्च सदन में जानेवाली नेहरू-गांधी परिवार की मात्र दूसरी सदस्य हैं सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने चुनावी मैदान को अलविदा कह दिया है। वह अब लोकसभा की बजाय राज्यसभा में दिखेंगी, जहां उन्होंने राजस्थान के जरिये प्रवेश करने का फैसला किया है। सोनिया गांधी ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। सोनिया के राज्यसभा के जरिये नयी पारी की शुरुआत को लेकर राजनीतिक हलचल मची हुई है। उनके राजस्थान से नामांकन भरने को लेकर भी सियासी गलियारों में मायने निकाले जा रहे हैं कि आखिर सोनिया गांधी ने राज्यसभा के लिए राजस्थान

की सीट को ही क्यों चुना। सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता को चिट्ठी लिख कर यह स्पष्ट भी कर दिया है। चिट्ठी में उन्होंने लिखा है कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह अब चुनावी मुकाबले में नहीं उतर सकती हैं। इसलिए उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का

आजाद सिपाही विशेष

फैसला किया है। चिट्ठी में उन्होंने उम्मीद जतायी है कि रायबरेली के लोग आगे भी उनके परिवार को संभाल लेंगे। सोनिया गांधी की यह चिट्ठी सार्वजनिक होने के बाद अब यह साफ हो गया है कि कांग्रेस के लिए यूपी की सबसे सुरक्षित सीट मानी जानेवाली

रायबरेली से प्रियंका गांधी ही मैदान में उतरेंगी। इसके अलावा सोनिया गांधी द्वारा राज्यसभा के लिए राजस्थान को चुने जाने के पीछे भी कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को कारण माना जा रहा है। दरअसल सोनिया गांधी अब अशोक गहलोत को सबक सिखाना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने गहलोत के लिए लोकसभा चुनाव लड़ने का रास्ता बनाया है। आखिर क्या है सोनिया गांधी के राज्यसभा में जाने के फैसले के पीछे की असली वजह और क्या होगा इसका असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

अगले दो महीने में होनेवाले आम चुनावों से ठीक पहले यदि विपक्ष का सबसे बड़ा नेता चुनावी मैदान से हट जाये, तो इसके क्या मायने हो सकते हैं। एक तरफ यह विपक्ष की सोची-समझी रणनीति हो सकती है या फिर उस नेता का निजी कारण या फिर चुनावी हार का डर। लेकिन यदि वह नेता सोनिया गांधी के कद का हो और चुनावी मुकाबले की बजाय वह राज्यसभा के रास्ते संसद में प्रवेश करे, तो इसके पीछे केवल एक रणनीति ही कही जा सकती है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राज्यसभा के रास्ते संसद में प्रवेश करने का जो फैसला किया है, उसके पीछे भी एक रणनीति ही है। उनके इस फैसले के पीछे केवल एक कारण है और वह है प्रियंका गांधी के लिए चुनावी पिच तैयार कर रायबरेली सीट से उन्हें उतारना। सोनिया अब राजस्थान से राज्यसभा की सदस्य होंगी और रायबरेली की अपनी पारंपरिक सीट उन्होंने अपनी बेटी प्रियंका गांधी के लिए खाली कर दी है।

नेहरू-गांधी परिवार की दूसरी सदस्य

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अब संसद के उच्च सदन,

यानी राज्यसभा में दिखाई देंगी। उन्होंने राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है, जहां से उनकी जीत तय मानी जा रही है। राज्यसभा में जाने वाली वह नेहरू-गांधी परिवार की दूसरी सदस्य होंगी। इनसे पहले उनकी सास इंदिरा गांधी भी राज्यसभा की सदस्य रह चुकी हैं। अंतर इतना है कि सोनिया संसदीय राजनीति के अंतिम दौर में उच्च सदन पहुंच रही हैं, जबकि इंदिरा ने संसदीय राजनीतिक जीवन में प्रवेश ही राज्यसभा से किया था। 1964 में जब देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का निधन हो गया था, तब इंदिरा गांधी उत्तरप्रदेश से अगस्त 1964 में राज्यसभा के लिए चुनी गयी थीं। उस वक्त लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री थे। शास्त्री ने उन्हें अपनी कैबिनेट में सूचना-प्रसारण मंत्री बनाया था। वह 1964 से 1967 तक राज्यसभा की सदस्य रहीं। जनवरी 1966 में जब लाल बहादुर शास्त्री का निधन हुआ, तो वह राज्यसभा में रहते हुए ही देश की प्रधानमंत्री बनी थीं। इंदिरा गांधी राज्यसभा का सदस्य रहते हुए प्रधानमंत्री बनने वाली पहली शक्तिशाली थीं। साथ ही वह देश की पहली महिला प्रधानमंत्री भी थीं। इसके अगले साल 1967 में हुए आम चुनावों में इंदिरा गांधी ने उत्तरप्रदेश की रायबरेली सीट से लोकसभा का चुनाव जीता था। उन्होंने फिर 1971 और 1980 का भी चुनाव रायबरेली से ही जीता था। 1977 में उन्हें राज नारायण ने करारी शिकस्त दी थी।

सोनिया गांधी क्यों जा रही हैं राज्यसभा

सोनिया गांधी के राज्यसभा के रास्ते संसद में आने पर कई लोग



सवाल उठा रहे हैं। 77 साल की सोनिया गांधी वह नेता रही हैं, जो वर्तमान दौर में अपने दम पर कांग्रेस को दुबारा खड़ा करनेवाले लोगों में हैं। उनकी लीडरशिप और सियासी काबिलियत के उनके विरोधी भी कायल रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि सोनिया के लोकसभा चुनाव न लड़ने के फैसले का पार्टी के कैडर पर विपरीत असर नहीं पड़ेगा? सोनिया गांधी से ज्यादा उम्रदराज लोग चुनाव लड़ते रहे हैं। फिर वह क्यों नहीं चुनाव में उतरेंगी।

सोनिया ने राजस्थान को ही क्यों चुना

सोनिया गांधी को राजस्थान से राज्यसभा भेजने के पीछे कांग्रेस की सबसे अहम रणनीति यह है कि कांग्रेस पार्टी नहीं चाहती है कि

लगातार तीसरे चुनाव में भाजपा राज्य की सभी सीटों पर जीत जाये। कांग्रेस पार्टी को विश्वास है कि अगर सोनिया गांधी जैसा नेता उस राज्य से राज्यसभा जायेगा, तो इसका असर कार्यकर्ताओं पर पड़ेगा। नेताओं और मतदाताओं को एकजुट करने में भी इसका फायदा होगा। दूसरी तरफ यह भी चर्चा है कि पार्टी चाहती है कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों को ही लोकसभा में उतारा जायेगा। ऐसे में गहलोत को राज्यसभा जाने से रोकने के लिए भी यह कदम उठाया जा रहा है।

प्रियंका गांधी के लिए रायबरेली को छोड़ा

जानकारों का मानना है कि सोनिया गांधी ने अपनी रायबरेली की सीट अपनी बेटी प्रियंका गांधी

के लिए छोड़ा है। सोनिया गांधी लंबे समय से रायबरेली सीट से चुनाव लड़ती रही हैं। प्रियंका गांधी उनके लिए चुनाव प्रबंधन सहित अन्य कार्य रायबरेली में करती रही हैं। पिछले पांच साल में प्रियंका गांधी की सक्रियता राजनीति में बढ़ी है। ऐसे में चर्चा है कि प्रियंका गांधी यूपी की किसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। रायबरेली की सीट गांधी परिवार के लिए सुरक्षित सीट के तौर पर देखी जाती रही है। ऐसी चर्चा है कि रायबरेली से इस बार प्रियंका गांधी चुनाव लड़ेंगी। सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से चुनाव नहीं लड़ना चाह रही थीं। इसलिए उन्हें राज्यसभा से संसद में भेजा जा रहा है। सोनिया गांधी ने 2019 में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी लोकसभा चुनाव होगा। सोनिया गांधी ने तेलंगाणा या

कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्य के बजाय राजस्थान से चुनाव लड़ने का फैसला किया। राजस्थान में पार्टी तीन सीटों में से एक पर आसानी से जीत की स्थिति में है।

सोनिया गांधी का राजनीतिक सफर

साल 1968 में सोनिया गांधी की शादी राजीव गांधी से हुई। 1984 में राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। 1991 में राजीव गांधी की हत्या हो गयी। लगभग सात साल तक सोनिया गांधी ने राजनीति से अपने आपको अलग ही रखा। 1998 में सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं। वह 1998 से 2017 और फिर 2019 से 2022 तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। सबसे अधिक समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी

मेरे परिवार को संभाल लेना, रायबरेली वालों के नाम सोनिया गांधी की चिट्ठी सोनिया गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के लोगों को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने इसमें रायबरेली के प्रति अपनी भावनाओं का इजहार किया है। उन्होंने रायबरेली की जनता से अपील करते हुए परिवार को संभाल लेने की बात कही है। उन्होंने लिखा है कि मैं जो भी हूँ, वह रायबरेली की जनता के कारण हूँ। मेरा भरोसा है कि आप हमारे परिवार को संभाल लेंगे। अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि रायबरेली से मेरा पुराना नाता रहा है। परिवार का गहरा रिश्ता रहा है। स्वास्थ्य कारणों से लोकसभा चुनाव न लड़ने की बात भी उन्होंने कही है। सोनिया गांधी ने अपने पत्र में लिखा है कि मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है। वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिल कर पूरा होता है। यह नेह-नाता पुराना है। अपनी ससुराल से मुझे सौभाग्य की तरह यह मिला है। रायबरेली के साथ हमारे परिवार के रिश्तों की जड़ें बहुत गहरी हैं। आजादी के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में आपने मेरे ससुर फिरोज गांधी को यहां से जिता कर दिल्ली भेजा था। उसके बाद मेरी सास इंदिरा गांधी को आपने अपना बना लिया। उसके बाद से अब तक यह सिलसिला जिंदगी के उतार-चढ़ाव और मुश्किल भरी राह पर प्यार एवं जोश के साथ आगे बढ़ता गया है। इस पर हमारी आस्था मजबूत होती चली गयी। इसी रोशन रास्ते पर आपने मुझे भी चलने की जगह दी।

इंदिरा- राजीव गांधी की हत्या का जिफ़

रायबरेली की जनता को लिखे गये पत्र में सोनिया गांधी ने अपनी सास इंदिरा गांधी और पति राजीव गांधी की हत्या का भी जिफ़ किया। साथ ही मोदी लहर को भी संकेतों में बताया है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि सास और जीवनसाथी को हमेशा के लिए खोकर मैं आपके पास आयी। आपने अपना आंचल मेरे लिए फेला दिया। पिछले दो चुनावों में विषम परिस्थितियों के बाद भी आप एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे। मैं यह कभी भूल नहीं सकती। यह कहते हुए मुझे ग्वे है कि आज मैं जो कुछ भी हूँ, आपकी बदौलत हूँ। मैं इस भरोसे को हरदम निभाने की हरदम की है।

स्वास्थ्य और उम्र का दिया हवाला

सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता को लिखे गये पत्र में अपनी बढ़ती आयु और स्वास्थ्य का हवाला दिया है। इसे लोकसभा चुनाव में न उतरने का कारण माना गया है। उन्होंने लिखा है कि अब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते मैं अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगी। इस निर्णय के बाद मुझे आपकी सौभाग्य की सेवा का अवसर नहीं मिलेगा। लेकिन यह तय है कि मेरा मन-प्राण हमेशा आपके पास रहेगा। मुझे पता है कि आप हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसा ही संभाल लेंगे, जैसे अब तक संभालते रहे हैं। इसके साथ उन्होंने पत्र में रायबरेली के लोगों से जल्द मिलने का वादा भी किया है।

रह चुकी हैं। 1999 से 2004 तक लोकसभा में सोनिया गांधी विपक्ष की नेता रहीं। साल 2004 में उनके नेतृत्व में कांग्रेस को चुनाव में जीत मिली। बाद में उन्होंने पीएम का पद टुकड़ा दिया। 2004 से 2023 तक सोनिया गांधी यूपीए की अध्यक्ष भी रहीं।

संघर्ष का प्रतिफल है पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन: ब्रह्मदेव प्रसाद

यह तो अभी झांकी है, पूरी उड़ान बाकी है ■ लोग आते जा रहे और कारवां बनता जा रहा

राजनीतिक दलों के हाथों की कटपुतली अब नहीं बनेगे

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता एवं अधिकार मंच के संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के हक और अधिकार की लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ना रहेगा। पलामू की धरती से मांगों को लेकर आवाज बुलंद की गयी है। यह आवाज अब दबनेवाली नहीं है। मशहूर शायर मजरूह सुवैतानपुरी का वह शेर याद आता है, जिसमें उन्होंने कहा था-मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मजिल मगर, लोग साथ आते गये और कारवां बनता गया। कुछ इसी तरह की स्थिति भी ओबीसी के हक और अधिकार लेने को लेकर बन रही है। यह कहने में गुरेज नहीं है कि यह तो अभी झांकी है, पूरी उड़ान बाकी है। पलामू की धरती से उठी आवाज को झारखंड के रास्ते देश के कोने-कोने तक पहुंचाना है। तभी हम अपने हक और अधिकार को ले पायेंगे। देशस्तर पर जब आवाज उठने लगेगी, तभी पिछड़ा वर्ग की महिला, पुरुष, छात्र, किसान, युवा को अधिकार मिल सकेगा। यह ओबीसी समुदाय की एकजुटता से ही संभव है। इसी एकजुटता का

प्रतिफल है कि सरकार को पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन करना पड़ा।

संकल्प: 52 प्रतिशत आरक्षण से कम मान्य नहीं

पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता एवं अधिकार मंच के संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि झारखंड में ओबीसी की जनसंख्या करीब 65 प्रतिशत जरूर होगी। उसी अनुपात में आरक्षण का लाभ भी मिलना चाहिए। कम से कम 52 प्रतिशत आरक्षण तो हर हाल में चाहिए। अब ओबीसी वर्ग जाग रहा है। वह राजनीतिक दलों के हाथों की कटपुतली नहीं बनने वाला है। अब तक होता यही रहा है कि जब राजनीतिक दल को जरूरत पड़ती थी, तो ओबीसी का सहारा लेते थे, लेकिन मौका निकलने के बाद दूध से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक देते हैं। अब ऐसा नहीं होनेवाला है। ओबीसी समाज में 80 प्रतिशत लोग गरीब हैं। उनकी गरीबी को बहुत नजदीक से समझा है। देखा है। अनुभव किया है। इसी का नतीजा रहा कि पलामू की धरती से ओबीसी के हक और अधिकार के लिए उलगुलान का आवाज किया है। यह अब सभी प्रमंडलों में होगा।

अंतिम सांस तक ओबीसी के अधिकार के लिए लड़ता रहूंगा



सपना: प्रतिभा को निखारने का मंच दे सरकार पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता एवं अधिकार मंच के संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए अलग से हॉस्टल की व्यवस्था की जाये। अन्य राज्यों की तरह झारखंड में उन्हें सुविधाएं मिले।



इन छात्रों में टैलेंट है, लेकिन आर्थिकाभाव में उनका टैलेंट दब कर रह जाता है। नतीजतन वह गलत रास्ते की ओर भी रुख करने को विवश हो जाते हैं। इसे देखते हुए स्कूल-कॉलेज और शिक्षण संस्थान में भी जो छात्र फीस देने में असमर्थ हैं, उनके लिए सरकार विशेष व्यवस्था करे, ताकि पैसे के अभाव में उनकी प्रतिभा दम न तोड़े। इसके लिए बिना ब्याज के लोन मुहैया कराया जाये।

सोच: युवकों के लिए 20 लाख तक लोन मिले

पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता एवं अधिकार मंच के संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि पलामू की धरती से हक-अधिकार को लेकर आवाज उठाने का नतीजा है कि पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन हुआ है। इसी के साथ ही राजनीति में भी ओबीसी महिला को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। मोदी सरकार ने देश में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण की बात कही है। इसमें से कम से कम 52 फीसदी ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षण की जाये। बेरोजगार युवकों के लिए 20 लाख रुपये तक लोन बिना ब्याज के उपलब्ध कराये, ताकि उनकी जिंदगी की गाड़ी भी दौड़ सके। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता एवं अधिकार को लेकर जो आंदोलन छेड़ा गया है, इसमें जिस तरह से लोगों की भागीदारी हो रही है। इसके लिए सभी को आभार। इसी तरह अगर समर्थन मिलता रहेगा, तो वह दिन दूर नहीं जब पिछड़ा वर्ग की संपूर्ण अधिकार मिल जायेगा।

आज आलम यह है कि इस आंदोलन में जो लोग भी आ रहे हैं, वह शपथ ले रहे हैं कि चाहे जान की बाजी ही क्यों नहीं लगानी पड़े, लेकिन हक और अधिकार को हर हाल में लेकर रहेंगे।

संघर्ष: व्यवसायी को सुरक्षा-पेंशन के लिए उठेगी आवाज

पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता एवं अधिकार मंच के संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि देश और राज्य में करीब 80 प्रतिशत व्यवसायी हैं। उनकी सुरक्षा की गारंटी केंद्र और राज्य सरकार की होनी चाहिए। कारण उनके खून-पसीने की कमाई से ही सरकार की झोली भरती है। इस कारण 60 साल के बाद ऐसे व्यवसायियों को सरकार पेंशन की व्यवस्था लागू करे, ताकि उनकी जिंदगी आसानी से कट सके। आज तो स्थिति यह है कि आपराधिक घटनाओं से व्यवसायी त्रस्त हैं। इसके लिए सरकार को अगर अलग विंग बनाने की जरूरत है, तो उसे भी बनाये, ताकि व्यवसायी को सुरक्षा की गारंटी हर हाल में मिल सके।



चंपाई मंत्रिमंडल: नये चेहरे और दिग्गजों पर दांव

रांची (आजाद सिपाही)। चंपाई मंत्रिमंडल में शुक्रवार को आठ मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इसमें बसंत सोरेन और दीपक बिरुआ दो नये चेहरे झामुमो कोटे से नजर आये। बाकी पुराने चेहरे ने ही शपथ ली। सबसे पहले डॉ

आइये जानते हैं नये मंत्रियों का सफरनामा

रामेश्वर उरांव और अंत में इमरी की विधायक और झामुमो नेता स्व जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी ने मंत्री पद की शपथ ली। हफ्ताजुल हसन ने उर्दू में शपथ ली। इस बीच मिथिलेश ठाकुर, बादल, बन्ना गुप्ता को राज्यपाल ने शपथ दिलायी।

बसंत पहली बार मंत्री बने, दुमका से हैं विधायक



रांची (आजाद सिपाही)। 2019 के विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन बरहट और दुमका विधानसभा से चुनाव लड़े थे। दोनों जगहों से जीत हासिल करने के बाद हेमंत सोरेन ने दुमका सीट को छोड़ दिया और इसी सीट पर छोटे भाई बसंत सोरेन को उपचुनाव में उम्मीदवार घोषित किया। बसंत उपचुनाव जीते और अब मंत्री बने। उन्होंने विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री लुइस मरांडी को लगभग सात हजार वोट से हराया था। बसंत सोरेन जेएमएम सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के छोटे बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाई हैं। वह राजनीति में सोरेन परिवार के छठे सदस्य हैं। बसंत सोरेन ने 2016 में राज्यसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2016 में राज्यसभा चुनाव के बाद बसंत सोरेन संगठन स्तर पर लगातार काम करते रहे। इस दौरान उन्होंने कोई चुनाव नहीं लड़ा। दुमका क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहे, इसी का नतीजा रहा कि 2020 उपचुनाव में पार्टी ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया और वह जीत कर पहली बार विधायक 41 साल की उम्र में विधायक बने।

नौकरशाह से नेता बने डॉ रामेश्वर उरांव



रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में नौकरशाह से नेता बने डॉ रामेश्वर उरांव ने चंपाई सरकार में भी मंत्री पद की शपथ ली। वह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के उम्मीदवार सुखदेव भगत को हराया। इसके बाद हेमंत सरकार में वित्त मंत्री रहे। रामेश्वर उरांव पहले आइपीएस अधिकारी थे। वह 1972 में आइपीएस चयनित हुए थे। उन्हें पुलिस सेवा के दौरान राष्ट्रपति पुलिस पदक भी मिला था। एडीजी पद से 2004 में स्वीच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में अपना सफर शुरू किया। रामेश्वर उरांव दो बार सांसद और एक बार केंद्र में राज्यमंत्री रह चुके हैं।

मिथिलेश ठाकुर ने गढ़वा को बनाया कर्मक्षेत्र



रांची (आजाद सिपाही)। गढ़वा से विधायक चुने गये मिथिलेश ठाकुर ने दूसरी बार मंत्री पद की शपथ ली। उनके पिता गढ़वा वन विभाग में कार्यरत थे। इसके कारण मिथिलेश ने गढ़वा के गोविंद उच्च विद्यालय से पढ़ाई की। चाइबासा चले जाने के बाद भी उन्हें गढ़वा की याद आती थी। इस कारण मिथिलेश ने गढ़वा को अपना कर्मक्षेत्र बनाने का निर्णय लिया। 2009 में चुनाव हारने के बाद भी उन्होंने दूसरी बार 2014 के विधानसभा चुनाव में भाग्य आजमाया। मगर वह इसमें भी सफल नहीं हो सके। 2019 में विधायक चुन लिये गये। इसके बाद वह हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में मंत्री बने। दोबारा चंपाई सोरेन मंत्रिमंडल में उनको जगह दी गयी है।

एमएलए बनने से पहले हफ्ताजुल बने थे मंत्री



रांची (आजाद सिपाही)। चंपाई सरकार में मंत्री पद की शपथ लेनेवाले हफ्ताजुल हसन झारखंड की राजनीति में काफी चर्चित नाम है। वह बिना विधायक बने भी मंत्री बन चुके हैं। फरवरी 2021 में हफ्ताजुल हसन ने मंत्री पद की शपथ ली थी। उस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन थे। जब हसन ने मंत्री पद की शपथ ली थी तब वह विधायक भी नहीं थे। हफ्ताजुल हसन, हाजी हुसैन अंसारी के बेटे हैं। हाजी हुसैन अंसारी शिबू सोरेन के काफी करीबी माने जाते रहे थे और 2020 में उनका निधन हो गया था। इसके बाद उनकी जगह उनके बेटे को मंत्री बनाया गया है।

दीपक बिरुआ का सियासत में अहम रोल



रांची (आजाद सिपाही)। पश्चिमी सिंहभूम जिले का मुख्यालय और सिंहभूम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से आनेवाले दीपक बिरुआ का विधानसभा क्षेत्र राज्य की सियासत में अहम भूमिका निभाता है। 2005 के चुनाव में यहां से भाजपा के पुटकर हेमंत ने जीत हासिल की थी। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी दीपक बिरुआ को हराया और विधायक बने। 2009 के चुनाव में यहां से झामुमो नेता दीपक बिरुआ विधायक चुने गये। दीपक 2014 के चुनाव में भी विधायक बने और 2019 में तीसरी बार भी जीत हासिल की। वीए पास दीपक बिरुआ ने दो बार बीजेपी के उम्मीदवार और गृह सचिव के पद से वीआरएस लेकर राजनीति में आये पूर्व आइएएस अधिकारी जेबी तुविद को शिकस्त दी। इनकी झामुमो में अच्छी पैठ भी मानी जाती है। हेमंत सोरेन के करीबियों में दीपक बिरुआ का नाम शुमार है। वह पेशा कानून के लेकर हमेशा मुखर भी रहे हैं। दीपक बिरुआ एक कुशल और शैक्षणिक परिवार से आते हैं। हो बहुल क्षेत्र कोल्हान प्रमंडलीय चाइबासा में आलाकेय मुंडा परिवार से भी आते हैं। राजनीति उनको विरासत में मिली है। वह हाटगम्हरिया प्रखंड के सिंदरी गाँव के रहनेवाले हैं।

बन्ना गुप्ता दूसरी बार मंत्री बने



रांची (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर पश्चिमी सीट पर भाजपा के देवेन्द्र सिंह को हरा कर 2019 में चुनावी जीत दर्ज करनेवाले बन्ना गुप्ता ने चंपाई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली है। इससे पहले वह हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में भी स्वास्थ्य मंत्री थे। जमशेदपुर पश्चिम में वर्ष 2000 के बाद यह रिकार्ड है कि इस सीट पर किसी भी पार्टी का विधायक लगातार अपनी दूसरी पारी नहीं खेल सका है। इस सीट पर वोटर्स का मिजाज ऐसा है कि जो विधायक जनता की नजर और विकास के कार्यों में खरा नहीं उतरा जनता ने उन्हें बदल दिया। इससे पहले केवल मुगेंद्र प्रताप सिंह ही एकमात्र ऐसे उम्मीदवार हैं, जो वर्ष 1995 और वर्ष 2000 में लगातार दो बार चुनाव जीते।

दूसरी बार बादल ने ली मंत्री पद की शपथ



रांची (आजाद सिपाही)। कांटे के मुक़ाबले में कांग्रेस प्रत्याशी बादल ने जर्मूडी विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की है। मतगणना के दौरान बादल और भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र कुंवर के बीच कांटे का मुक़ाबला देखने को मिला था। इसके बाद दूसरी बार बादल जर्मूडी से विधायक बने। इसके बाद हेमंत सरकार में बतौर कृषि मंत्री की जिम्मेवारी दी गयी। यहां का ज्यादातर इलाका ग्रामीण परिवेश में ढला हुआ है और यहां की आबादी में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की संख्या ज्यादा है।

विधायक बनने से पहले मंत्री बनी थीं बेबी देवी



रांची (आजाद सिपाही)। बेबी देवी 2023 के उपचुनाव में इमरी सीट से निर्वाचित हुई थीं। वह पूर्व मंत्री स्व जगरनाथ महतो की पत्नी हैं। पति के निधन के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और इमरी से चुनाव लड़ा था। दरअसल, विधायक बनने से पहले ही उन्हें मंत्री के रूप में शपथ दिलायी गयी थी। वह हेमंत सोरेन सरकार में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग देख रही थीं। चंपाई सरकार में भी उन पर भरोसा जताया गया है।

अंतिम क्षण में रोका गया, एक-दो दिन में कुछ कदम उठाएंगे : वैद्यनाथ राम



आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। लातेहार के झामुमो विधायक वैद्यनाथ राम को अंतिम क्षण में मंत्री पद की शपथ लेने से रोका गया। इस कारण वह बेहद नाराज हैं। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा शपथ लेनेवाले मंत्रियों की जो सूची राजभवन को भेजी गयी थी, उसके आधार पर राजभवन ने उनका नाम शपथ लेनेवाले मंत्रियों में दूसरे नंबर पर रखा था। राजभवन ने उन्हें शपथ लेने के लिए आमंत्रण सह वारंट भी भेजा था और वह परिवार के साथ राजभवन जा रहे थे। उनका कहना है कि अचानक रास्ते में उनके पास सुप्रियो भद्राचार्य का फोन आया और सीएमओ में बुलाया गया। वहां पहुंचने पर सुप्रियो ने उनसे कहा कि कांग्रेस द्वारा अप्रत्याशित दबाव आने के कारण उनका शपथ ग्रहण रोक दिया गया है। जोबा मांझी ने भी गुस्से का इजहार किया है। वैद्यनाथ राम ने कहा कि एक-दो दिन में इसका रिजल्ट सामने आयेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें शपथ नहीं दिलाने के झामुमो के फैसले का, खासकर अनुसूचित जाति समुदाय में अच्छा संदेश नहीं गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस बेइज्जती को गंभीरता

वैद्यनाथ राम का विरोध किया। कौन है वैद्यनाथ राम

राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि हासिल कर चुके वैद्यनाथ राम सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, लातेहार में तीन साल तक शिक्षक रहे। वर्ष 2000 में झारखंड अलग राज्य बनने पर उन्होंने नौकरी छोड़ दी और राजनीति में आ गये। उन्होंने पहली बार जदयू के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ा और विधायक बन गये। 2005 में उन्होंने जदयू से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया और फिर चुनाव जीते। तब वह शिक्षा मंत्री बने। 2009 में उन्हें राजद के प्रकाश राम ने हरा दिया। 2014 का चुनाव वैद्यनाथ राम ने नहीं लड़ा। 2019 में वह भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन पार्टी ने उनका टिकट काट कर प्रकाश राम को दे दिया। प्रकाश राम ने 2014 का चुनाव झामुमो प्रत्याशी के रूप में जीता था, लेकिन बाद में भाजपा में शामिल हो गये थे। तब वैद्यनाथ राम ने झामुमो का दामन थाम लिया और 2019 में प्रकाश राम को हरा कर विधायक बन गये।

मंत्रिमंडल में एससी को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण: सुदेश महतो



सरकार की सोच, नीति और नीयत को दर्शाता है मंत्रिमंडल
आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। आजसू अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि मंत्रिमंडल का स्वरूप सरकार की सोच, नीति और नीयत को दर्शाता है। मंत्रिमंडल में इस बार भी अनुसूचित जाति समुदाय को प्रतिनिधित्व नहीं मिला। मुख्यमंत्री से उम्मीद थी कि राज्य की बड़ी आबादी जो पिछले 50 महीनों से नेतृत्वहीन है, उन्हें सरकार में नेतृत्व मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। झारखंड देश का इकलौता राज्य है, जहां अनुसूचित जाति का एक भी मंत्री नहीं है। साथ ही मंत्रिमंडल में राज्य की आधी आबादी का भी प्रतिनिधित्व कम कर दिया गया है। राज्य के इतिहास में पहली बार 12 महिला विधायक चुन कर सदन पहुंची हैं। इनमें आठ महिला विधायक सत्ता पक्ष की हैं, लेकिन चंपाई सोरेन मंत्रिमंडल में सिर्फ एक महिला को मंत्री पद दिया गया है।

RANCHI UNIVERSITY, RANCHI

SHORT TENDER NOTICE
Sealed tender are invited for the total tent job including water proof pandal, designed gate, lighting decoration with generator, flower decoration, videography and photography and sound system on turnkey basis, for the 37th Convocation 2024 of Ranchi University at Dikshant Mandap campus of Ranchi University from the reputed Tent House (registered in Jharkhand Govt.) with Head Office in Ranchi city and having experience of carrying such job on the National and State level event for the value of not less than Rs. 50.00 lacs in the State of Jharkhand.
Detailed tender papers can be obtained from the office of C.C.D.C. on payment of Rs. 2000.00 (Rupees Two Thousand only) in the shape of D.D. in the name of Registrar, Ranchi University payable at Ranchi between 17/02/2024 and 04/03/2024 from 11.00 AM to 2.00 PM and may be submitted upto 04/03/2024 in the office of C.C.D.C. till 2.00 PM and it will be opened on the same day at 3.00 PM in the office chamber of C.C.D.C.. The tender paper is also available at Ranchi University website: www.ranchiuniversity.ac.in
The undersigned reserved the right to accept or reject full/partial bid without assigning any reason thereof.
By order of the Vice Chancellor
Sd/-
Registrar
Ranchi University, Ranchi
Memo No.: PL/ 859-62/24
Dated : 16.02.2024

झारखंड सरकार झारखंड भू-सम्पदा नियामक प्राधिकार

सातवां तल, रांची नगर निगम भवन कचहरी रोड, रांची- 834001
इच्छा की अभिव्यक्ति
झारखंड भू-सम्पदा नियामक प्राधिकार, रांची में न्यायालय के कार्यों का सुलभ संचालन हेतु विधि परामर्शी-सह-मध्यस्थ के रूप में सविदा/मानदेय आधारित कार्य करने हेतु इच्छुक सेवानिवृत्त प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश से प्रस्ताव निम्नलिखित शर्तों के साथ आमंत्रित किये जाते हैं:-
1. प्रस्तावदाता को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य करने का तीन वर्षों का अनुभव।
2. मध्यस्थ के रूप में 40 घंटा का मध्यस्थता प्रशिक्षण का अनुभव।
3. प्रस्तावदाता की आयु अधिकतम 70 होना चाहिए।
4. गृह क्रेता एवं विक्रेता के बीच मध्यस्थता सम्बन्धी कार्य होने के फलस्वरूप रेषा कार्यानुभव वाले को प्राथमिकता दी जायेगी।
5. विधि विभाग, झारखंड द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान किया जायेगा।
मुहरबंद प्रस्ताव दिनांक 04.03.2024 के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त की जायेगी।
इच्छा की अभिव्यक्ति को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
ह-/-
सचिव-सह-
मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी
कार्य आदेश सं.- झारखंड/मध्यस्थ सेवा-06/2024-287
रांची, दिनांक-16.02.2024

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बागची श्री शंकर कैंसर अस्पताल और अनुसंधान संस्थान का किया उद्घाटन

- 750 बिस्तर, प्रतिदिन 300 मरीजों के लिए अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी
- 150 से अधिक मरीजों को कीमती रोगियों की सुविधा
- राज्य का एक तिहाई हिस्सा कैंसर रोगियों को सस्ती गुणवत्ता वाली चिकित्सा प्रदान करेगा



आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को भुवनेश्वर में बागची श्री शंकर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन किया। गौरतलब है कि इसकी स्थापना देश के अग्रणी कैंसर उपचार संस्थानों में से एक श्री शंकर कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर के सहयोग से की गयी है। 750 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में प्रतिदिन 300 रोगियों के लिए अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी और 150 से अधिक रोगियों के लिए कीमती रोगियों की सुविधा है। यह अस्पताल सुबत बागची और सुभिता बागची का ओड़िशा के लिए महत्वपूर्ण अवदान है। उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अस्पताल ओड़िशा और पूर्वी

भारत में कैंसर रोगियों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार प्रदान करके कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगा और इस अस्पताल के माध्यम से देश के एक तिहाई कैंसर रोगियों को इलाज मिलेगा। राज्य को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बागची परिवार और श्री शंकर कैंसर सेंटर को धन्यवाद देते हुए आगे कहा कि मो सरकार राज्य के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पिछले दो दशकों में ओड़िशा पूर्वी भारत में एक अग्रणी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के रूप में उभरा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में नये मेडिकल कॉलेज खोले गये हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर सभी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों में

सुधार किया गया है। डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियमित भर्ती की जा रही है। इस साल ही राज्य में करीब 4000 डॉक्टरों की भर्ती हुई है। राज्य में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना ने देश भर में स्वास्थ्य सुरक्षा में एक मानक स्थापित किया है। अब 5टी पहल के तहत राज्य के सभी अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में बदलाव का काम चल रहा है। आम अस्पताल योजना बेहतर बुनियादी ढांचे और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ रोगियों के परिचारकों के लिए सुविधाओं पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री ने राज्य में कैंसर सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि विभिन्न जिलों में कैंसर के इलाज की भी व्यवस्था की जा

रही है। कैंसर जैसी बीमारी से हम सभी को सचेत रहने की जरूरत है। हमें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर हम सभी स्वस्थ जीवनशैली अपनायेंगे तो कैंसर से दूर रह सकते हैं। अगर हर कोई स्वस्थ रहेगा तो 'स्वस्थ ओड़िशा, खुशहाल ओड़िशा' का हमारा सपना पूरा हो सकता है। अतिथि के रूप में जटनी के विधायक सुरेश कुमार राउतराय ने कहा कि पहले राज्य में केवल 3 मेडिकल कॉलेज थे। 10 वर्षों में मुख्यमंत्री ने कई नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाये। उन्होंने कहा कि बागची श्री शंकर कैंसर अस्पताल राज्य के लोगों को कैंसर देखभाल के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करेगा। उद्घाटन के मौके पर

सुबत बागची ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और अंतर्भूतता से हम इस अस्पताल की स्थापना कर पाये हैं। राज्य सरकार ने हमारे राज्य के कैंसर रोगियों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए 22 एकड़ भूमि प्रदान की है। ओड़िशा के कैंसर मरीज अब राज्य बहार नहीं जायेंगे। यहां रहें और कैंसर उपचार के क्षेत्र में नवीनतम उपचार सुविधाएं प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल मानव सेवा का अनूठा केंद्र होगा। इस कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निरंजन पुजारी, 5टी और नवीन ओड़िशा के अध्यक्ष वी कार्तिक पांडियन उपस्थित थे। गौरतलब है कि 410 करोड़ रुपये की लागत से बने इस अस्पताल में उन्नत बुनियादी ढांचा और आधुनिक चिकित्सा तकनीक और उपचार सुविधाएं हैं। देश में कैंसर देखभाल के क्षेत्र में ख्याति अर्जित करने वाले डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के माध्यम से मरीजों को सबसे आधुनिक और प्रभावी चिकित्सा देखभाल मिल सकती है। यह अस्पताल राज्य सरकार की बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना से भी संबद्ध है। कार्यक्रम में डॉ बीएस श्रीनाथ ने स्वागत भाषण दिया और डॉ बी महॉति ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एएससीआइ का तीन दिवसीय उद्घाटनी दिवस आठ वरिष्ठ पत्रकार सम्मानित



आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। एशियन अफ्रीकन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एएससीआइ) ओड़िशा चैंबर के वैश्विक व्यापार सम्मेलन का उद्घाटनी दिवस भुवनेश्वर के मेडिकल कॉलेज में किया गया है। सम्मेलन के अंतिम दिन में सिडबी की उप-महाप्रबंधक प्रदीप चौधरी ने मुख्य अतिथि के

रूप में भाग लिया और अपना भाषण रखे। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद मुन्ना खान और कर्नल एवं एनसीसी निदेशक सागर कुमार महांति शामिल हुए। इस कार्यक्रम में ओड़िशा के विभिन्न मीडिया जगत के आठ वरिष्ठ पत्रकार को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में एशिया, इथियोपिया, ईरान, मलेशिया,

सिंगापुर, जाम्बिया, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर और अन्य अफ्रीकी देशों के कई कूटनित्त और एमएसएमई प्रमुख भी शामिल हुए थे। तीन दिनों तक चले कार्यक्रम में विभिन्न स्टॉलों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में इकोजैन का उत्पाद सोलर स्टॉल मुख्य आकर्षण रहा।

बलांगीर के भीमवोर्ड मेडिकल कॉलेज से नवजात शिशु लापता

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। बलांगीर के भीमवोर्ड मेडिकल कॉलेज से नवजात शिशु लापता हो गया। सूचना मुताबिक कंचामाल थाना अंतर्गत बडीपदर गांव के सुशील स्वाई का नवजात शिशु एसएनसीयू से लापता हो गया। परिवार लोक नवजात शिशु पुत्र को खोजने के लिए धरना पर



चोरी हो गया। एसएनसीयू में रहते हुए बच्चे को लापता होने की सूचना मिली। भीमवोर्ड मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अधीक्षक ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच चल रही है। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि बच्चे को कौन लेकर गया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

ओड़िशा सीएम ने जेएसडब्ल्यू के मेगा इंटीग्रेटेड ग्रीन स्टील मैनुफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को ओड़िशा के पारादीप में जेएसडब्ल्यू स्टील के ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात विनिर्माण परिसर की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री के साथ जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष सज्जन जिंदल, पार्थ जिंदल, उद्योग विभाग के मंत्री प्रताप केशरी देब, वीके पांडियन, 5 टी के अध्यक्ष, हेमंत शर्मा, प्रमुख सचिव, उद्योग विभाग, अनिल कुमार सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। जेएसडब्ल्यू स्टील द्वारा एकीकृत हरित इस्पात परियोजना से लगभग 30,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों की रोजगार क्षमता के साथ एक मजबूत सहायक और डाउनस्ट्रीम पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इंटीग्रेटेड कॉम्प्लेक्स की परिकल्पना अपनी तरह की एक विश्व स्तरीय हरित प्रौद्योगिकी इस्पात विनिर्माण सुविधा के रूप में की गयी है। यह एक चक्रीय अर्थव्यवस्था प्रथा को अपनायेगा



और अपनी स्वच्छता, हरियाली और सर्वोत्तम श्रेणी की प्रौद्योगिकियों के लिए दुनिया भर में एक अनुकरणीय मॉडल होगा। इसमें 13.2 एमटीपीए क्षमता वाली विश्व स्तरीय एकीकृत इस्पात विनिर्माण सुविधा, सुविधा की बिजली आवश्यकताओं को उत्पन्न करने और आपूर्ति करने के लिए कैप्टिव पावर प्लांट, कार्गो-हैंडलिंग क्षमता वाले कैप्टिव घाट, सीमेंट निर्माण इकाई और आधुनिक टाउनशिप और अन्य

घटक शामिल है। जेएसडब्ल्यू स्टील का ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड ग्रीन स्टील कॉम्प्लेक्स जगतसिंहपुर जिले के इरासामा तहसील के अंतर्गत धिनकियानुआगांव और गडाकुजंगा में स्थापित किया जाएगा। ओड़िशा के औद्योगिक विकास निगम (आइडीसीओ) ने एकीकृत विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए जेएसडब्ल्यू को 2,958 एकड़ जमीन सौंपी है, जिसमें कुल परियोजना भूमि का

30 प्रतिशत वनों और जल निकायों के संरक्षण के लिए समर्पित है। जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसडब्ल्यू समूह इस एकीकृत परिसर को चरणबद्ध तरीके से स्थापित करने के लिए संस्थाओं ने आवश्यक अनुमोदन के अधीन लगभग 65,000 करोड़ रुपये के निवेश की परिकल्पना की है। भूमि-पूजन समारोह में पड़ोसी गांवों के 30,000 से अधिक लोग, जन प्रतिनिधि, टेक्नोक्रेट और उद्योग विशेषज्ञ शामिल हुए।

संदेशखाली जाने से भाजपा के केंद्रीय दल को रोका गया

आजाद सिपाही संवाददाता
कोलकाता। भाजपा सांसदों के एक केंद्रीय दल को शुक्रवार को बंगाल के संदेशखाली का दौरा करने से रोका दिया गया, जहां ग्रामीणों महिलाओं पर तुणमूल नेताओं के कथित अत्याचार को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। केंद्रीय मंत्री प्रतिभा भूमिक ने कहा कि पुलिस ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत लागू की गयी निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए केंद्रीय दल को संदेशखाली जाने की अनुमति नहीं दी। संदेशखाली प्रखंड के रास्ते में रामपुर गांव में रोके जाने के बाद भाजपा का छह सदस्यीय दल धरने पर बैठ गया। पुलिस के साथ उनकी हल्की धक्कामुक्की भी हुई। दल की संयोजक केंद्रीय मंत्री अनूपमूर्ति देवी ने आरोप लगाया कि पुलिस दौषियों को बचाने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय दल ने आरोप लगाया है कि उत्तर 24 परगना जिले में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। केंद्रीय दल ने बाद में कोलकाता में राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। केंद्रीय दल ने कहा है कि वह संदेशखाली जाने की अनुमति मांगने के लिए अखिलत का रुख करेंगे। संदेशखाली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने तुणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और

उनके समर्थकों पर जबरदस्ती जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़? करने का आरोप लगाया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संदेशखाली का दौरा करने के लिए पार्टी सांसदों की छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की संयोजक अनूपमूर्ति देवी हैं। केंद्रीय मंत्री प्रतिभा भूमिक, सुनीता दुग्गल, कविता पाटीदार, संगीता यादव और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल समिति के सदस्य हैं। वहीं जाने-माने अभिनेता व भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि संदेशखाली की महिलाओं की आवाज दबाई नहीं जानी चाहिए। इधर तुणमूल नेता शंतनु सेन ने कहा कि पुलिस ने भाजपा प्रतिनिधिमंडल को रोक कर सही काम किया। उसका इरादा राज्य का माहौल खराब करने का है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अधीर को भी रोका गया : वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व सांसद अधीर रंजन चौधरी को भी पुलिस ने संदेशखाली जाने से रोका दिया। इस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्कामुक्की हुई। इसके बाद अधीर रामपुर में धरने पर बैठ गए। इतनी ही नहीं उन्होंने भाजपा के केंद्रीय दल को रोके जाने पर कहा है कि वे लोग संदेशखाली बम लेकर तो नहीं जा रहे थे।

वर्मा प्रेस प्रा0 लि0 रांची
Verma's Today
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 140	Hindi - B	₹ 80
Hindi Vyakaran-II	₹ 120	Hindi Vyakaran-II	₹ 120
English Grammar-II	₹ 120	English Grammar-II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

S M Toy & School Furniture
Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park Playzone, Malls, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis

एक बार जरूर पढ़ाए

Old Bank Colony, RMCH Road, Near Sadhu Maidan Shop
Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob. 7503729696, 9205624569

कृष्णा ज्वेलर्स
समस्या है तो! समाधान भी है!

आचार्य प्रणव मिश्रा
प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न गोल्डमेडलिस्ट, M.M
(ज्योतिषविज्ञान) टॉपर 2012 एवं (P.H.D) रांची, वि. वि. रांची
गांधी चौक, सोनार गली, वीण वरनालय के सामने अपर वाजार, रांची

FREE Franchise
Just call us : 9835502908

Alpha Institute of Computer Education

Franchise Benefit

- ◆ All Computer courses
- ◆ Vocational courses
- ◆ Authorization Letter
- ◆ Authorization Certificate
- ◆ Web Login ID & Password
- ◆ Study Material Support
- ◆ Branded Name
- ◆ PDF Certificate in 24 Hrs
- ◆ Hard Copy Certificate & Mark sheet
- ◆ Students Placement Support
- ◆ Marketing Support
- ◆ Online & Offline Certificate Verification
- ◆ Yearly Career Guidance - Seminar in your city
- ◆ Paper and Media Support

Registered Office: 202, Delta Bhawan Ashok Nagar, Kokar Chak, Kokar, Ranchi (Jharkhand) Mob : 9835502908
Corporate Office: 1, Kankar Ghosh, Ranchi (Jharkhand), Mob : 9835502908
Corporate Office: 1, Homnagar, Near Police Station, Nalanda, Bihar Mob : 748289089

E-mail : alphaeducational.center@gmail.com, Web site : www.alphaec08.com

अंतिम दो दिन
TRADE EXPO
A MEGA TRADE FAIR

HANGER PAVILION
PREMIUM CROWD
STAGE SHOW

PARTICIPATION FROM 5 COUNTRIES & 22 STATES

INDIA BANGLADESH AFGHANISTAN MALAYSIA THAILAND

OVER 1 LAC NATIONAL & INTERNATIONAL PRODUCTS

ORGANISED BY : Jagrity Foundation

Most Awaited CONSUMER FAIR 2024

04th Feb. To 18th Feb.
At Morabadi Ground, Ranchi
Time : 11.00AM TO 09.00PM

SEGMENTS
Furniture, Interior, Life Style, Appliances, International Decoration Products
Electronics, Antiques Product, Automobile, Health, Lighting, Processed Food
Modular Kitchen, Real Estate, Cosmetic, Jewellery & Many More...

अब दोपहर 12 से 1 बजे तक विश्राम करेंगे रामलला

आजाद सिपाही संवाददाता
अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में शुक्रवार से नयी व्यवस्था शुरू की है। शुक्रवार से दोपहर में एक घंटे मंदिर के पट बंद रहेंगे। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद 16 फरवरी को पहली बार रामलला ने दोपहर में एक घंटे विश्राम किया। अब वे हर रोज दोपहर 12 से 1 बजे तक मंदिर बंद रहेगा। अब 12 बजे भोग और आरती के बाद रामलला एक घंटा विश्राम करेंगे। बता दें कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ब्रह्मलुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर दोपहर में सिर्फ 15 मिनट के लिए बंद किया जाता था। ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि अब भक्त सुबह 6 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजे तक और फिर दोपहर 1 बजे से रात 9 बजकर 30 मिनट तक रामलला के दर्शन कर सकेंगे।